ज्ञान शांति मैत्री

हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
और
भाषा साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 20-22 फरवरी, 2019 को गांधीनगर, गुजरात में आयोजित त्रि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय समाज, शिक्षा और साहित्य में गांधी

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की शतकोत्तर स्वर्ण जयंती के निमित्त देश भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है| महात्मा गांधी ने न सिर्फ भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को नेतृत्व प्रदान किया अपितु अपने कर्म, आचरण, और चिंतन से भारतीय जीवन को नया संदेश दिया है| भारतीय दर्शन परंपरा एवं आधुनिक समतामूलक मानवतावादी चिंतन सरणियों से नि:सृत उनकी विचारधारा ने भारतीय मन-प्राण एवं जीवन के बहुविध आयामों के मर्म को समझने और मार्ग निर्धारण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है| ग्राम स्वराज, स्वभाषा एवं स्वदेशी का आग्रह, अस्पृश्यता निवारण, मद्य निषेध, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, सांप्रदायिक सौहार्द, स्वावलंबन और सर्वोदय के विचारों ने न मात्र एक नए समाज की विकास यात्रा की आधारशिला रखी अपितु उसे अनुप्राणित भी किया है| बापू की बुनियादी शिक्षा की अवधारणा एक सुसंस्कृत प्रगतिशील आदर्श भारत के निर्माण का प्रयास थी, जहाँ भारत ज्ञान-विज्ञान, कला और साहित्य में मौलिक दक्षता हासिल कर सम्पूर्ण विश्व का नेतृत्व कर सके| साहित्य को उद्दात मूल्यों के संवाहक और समाज के पथप्रदर्शक के रूप में प्रस्तुत करने के पक्षधर महात्मा गांधी के वैचारिक प्रभाव ने समस्त भारतीय साहित्य को बहुविधि प्रभावित किया है| स्वतंत्रता प्राप्ति के सात दशक बाद भारत की विकास यात्रा में गांधी की विचारधारा किस प्रकार सहायक रही है? बदलते जीवन मूल्यों एवं जटिल वैश्विक परिस्थितियों में गांधी के जीवन और चिंतन से हम क्या सबक ले सकते हैं? बदली हुई वैश्विक एवं आंतरिक परिस्थितियों में क्या गांधी की दृष्टि को पुनर्व्याख्यायित करने की आवश्यकता है; जैसे सवालों पर परिचर्चा के माध्यम से हम गांधी की स्मृति को नमन करना चाहते हैं| भारतीय समाज, शिक्षा और साहित्य (मुख्यतः हिंदी, गुजराती, मराठी और उर्दू साहित्य) में गांधी की स्मृति एवं वैचारिक उपस्थिति के पुनरावलोकन के गंभीर अकादमिक प्रयास हेतु आयोजित त्रि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में आप सादर आमंत्रित हैं|

प्रपत्र संबंधी निर्देश:

1. भारतीय समाज, शिक्षा और साहित्य में गांधी जीवन एवं दर्शन की उपस्थिति, प्रभाव एवं प्रासंगिकता पर प्रपत्र आमंत्रित हैं| प्रतिभागी अपना प्रपत्र किसी एक उपविषय पर केंद्रित करेंगे| पंजीकरण फॉर्म में चयनित विषय की सूचना अवश्य दें|
2. शोध पत्र अधिकतम 3500 शब्दों तक सीमित हो| शोध पत्र एरियल यूनिकोड (फॉंट-12, गैप-1.5) में टंकित कर वर्ड एवं पीडीएफ दोनों प्रारूपों में cug.gandhi@gmail.com पर प्रेषित करें| शोध-पत्र के साथ अधिकतम 75 शब्दों में आत्म-परिचय तथा लगभग 300 शब्दों में शोध-पत्र सारांश अलग से वर्ड और पीडीएफ़ में संलग्न करें| आवश्यकतानुसार मो. 8866508887 पर सुमीत कुमार से संपर्क कर सकते हैं|
3. **प्रपत्र भेजने की अंतिम तिथि 10 फरवरी 2019 है|** अंतिम तिथि के बाद भेजे गए शोध पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा|
4. चयनित प्रपत्रों को ही प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाएगा| इस संबंध में आयोजकों का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा|

पंजीकरण संबंधी निर्देश:

1. शोधार्थियों/ विद्यार्थियों हेतु रू. 500/- तथा प्राध्यापकों हेतु रू. 1000/- पंजीकरण शुल्क के रूप में देय होंगे| **इस शुल्क में आवास की व्यवस्था शामिल नहीं है|**
2. ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय की वेबसाईट **www.cug.ac.in** पर उपलब्ध है| कृपया पंजीकरण शुल्क **Canara Bank, CUG Branch, A/C No. 5999101001219, IFSC Code- CNRB0005999** के खाते में जमा करें| पंजीकरण शुल्क बैंक में जमा कराने संबंधी विवरण ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म में देना अनिवार्य है|
3. चयनित प्रपत्र प्रस्तुतकर्ता शोधार्थियों एवं अध्यापकों को आवास हेतु क्रमशः रू. 1000/- एवं रू. 1500/- आवास शुल्क के रूप में जमा करना होगा| आवास (एक कक्ष में दो व्यक्तियों के लिए) की व्यवस्था निकटवर्ती सरकारी अतिथिगृह/छात्रावास में ही की जायेगी| प्रतिभागियों को संबंधित छात्रावास/अतिथिगृह में उपलब्ध सुविधाएँ ही प्राप्त होंगी| छात्रावास/अतिथिगृह के नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा| आवास की संख्या सीमित है, अतः पहले पंजीकरण कराने एवं प्रपत्र भेजने वालों को ही आवास की सुविधा उपलब्ध होगी|
4. संगोष्ठी के संबंध में अधिक जानकारी के लिए गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय की वेबसाईट **www.cug.ac.in** देखें|

समन्वय समिति: प्रो. अतनु भट्टाचार्य, प्रो. अवधेश कुमार, प्रो. संजीव कुमार दुबे, डॉ. ऋषभ कुमार मिश्र, डॉ. मिथिलेश कुमार

आयोजन स्थल- गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सेक्टर-29, गांधीनगर

प्रो. संजीव कुमार दुबे
स्थानीय संयोजक